हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 6 अक्टूबर 2025

9 अंतरराष्ट्रीय पशु दिवस पर जेसीआई ने गोवंश के ...

10 36 लाख की लागत से ग्रीन बेल्ट को लगेंगे विकास के....

खबर संक्षेप

चोरी के मामले में चार आरोपित गिरफ्तार

भिवानी। थाना सदर पुलिस भिवानी ने गांव ढाणी चांग में घर का ताला तोड़कर आभूषण व रुपये चोरी करने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। बजरंग निवासी ढाणी चांग ने थाना सदर पुलिस भिवानी को शिकायत दर्ज करवाई थी जिसमें शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि 14 जुलाई को परिवार सहित शादी में गए हुए थे जो अगले दिन सुबह आकर देखा तो घर के ताले टूटे हुए थे। चोर घर के अंदर से आभूषण व रुपए चोरी करके ले गए थे जो इस शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अभियोग थाना सदर भिवानी में दर्ज किया था।

आरएसएस के सौ साल देश के लिए बेमिसाल

बाढ़ड़ा। आरएसएस की 100वीं वर्षगांठ पर बाढड़ा मंडल के स्वयंसेवकों ने पथ संचलन करके देश की एकता और अखंडता की प्रतिज्ञा की। उन्होंने देश के प्रति समर्पण और त्याग की भावना दिखाते हुए जांगड़ा धर्मशाला से बाढ़ड़ा गांव के मुख्य चौक, क्रांतिकारी चौक और बाढडा शहर में पथ संचलन किया। कार्यक्रम में राजकुमार दादरी जिला शारीरिक शिक्षण प्रमुख , विभाग ग्राम सह संयोजक जगप्रवेश सिंघानी, खंड कार्यवाह प्रदीप लाडावास, खंड बौद्धिक प्रमुख मंजीत कारी, खंड प्रचार प्रमुख सुनील कारी आदि स्वयंसेवक उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रद्युमन थे। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रांत कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप थे।

मंत्री रणबीर गंगवा होंगे मुख्य अतिथि

चरखी दादरी। महर्षि वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में सोमवार को जिला स्तरीय समारोह स्थानीय लघु सचिवालय स्थित हाल नम्बर 2 में सुबह 11 बजे मनाया जाएगा। समारोह में मुख्यतिथि के तौर पर कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा शिरकत करेंगे। स्वच्छ वातावरण बनाने में सहभागी रहे श्रेष्ठ सफाई योद्धाओं को सम्मानित करते हुए आमजन को भी स्वच्छता अपनाने का संदेश दिया जाएगा। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी संदीप हुड्डा ने बताया कि सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

पहले बारिश और जलभराव ने फसलों को पानी में डूबो, अब प्रकृति की मार

बची-खुची धान की फसल पर हॉपर का कहर, किसान चिंतित

भिवानी। धीमी हवा से जमीन पर बिछी धान की फसल और धान की फसल में हॉपर फैलाने वाला मच्छर। फोटो : हरिभूमि

ज्यादा पानी खड़ा होने के कारण बेदम हुई धान

ज्यादा पानी से धान की फसल भी खराब होनी शुरू हो गई है। जिन इलाकों में पानी कम है। वहां पर तो धान की फसल खड़ी है,लेकिन जिन इलाकों में पानी एक फुट से ज्यादा है। उन इलाकों में धान की फसल जमीन पर बिछने लगी है। चूंकि पानी में डूबने की वजह से पौधा बेदम हो गया है। धीमी गति से हवा के चलते धान की फसल जमीन पर बिछनी शुरू हो गई। अगर यही स्थिति रही तो जिन इलाकों में धान की फसल है। उन इलाकों में औसतन पैदावार में काफी कमी आएगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

लगता है कि इस बार प्रकृति पूरी तरह से किसानों के साथ बेरूखी कर रही है। पहले बारिश व जलभराव ने फसलों को पानी में डूबो दिया। जो बची कुची धान की फसलों पर हॉपर का जबरदस्त कहर शुरू हो गया है।

हॉपर के कहर से फसलें मुरझाने लगी है। रविवार को थोड़े से हवा के झौंके के बाद ही फसलें जमीन पर बिछने लगी है। हालात ये बने है कि अगर हॉपर बीमारी की रोकथाम नहीं हुई तो बाकी बची खुची फसलें भी पूरी तरह से तबाह हो जाएंगे। ऐसे में किसानों को खेतों से खाली हाथ ही लौटना पड़ेगा। फिलहाल हॉपर का मच्छर किसी एक इलाके में नहीं बल्कि पूरे इलाके में फैल गया है। जिससे किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ नजर आने लगी है।

- जिले के कई इलाकों में अभी भी खड़ा है फसलों में पानी
- धान के पौधों के गुच्छों में छुपा मच्छर

उल्लेखनीय है कि अगस्त के अंतिम सप्ताह व एक सितम्बर हो जबरदस्त बारिश के बाद भिवानी के अनेक इलाकों में जलभराव हो गया था। उसके बाद अनेक जगहों पर अभी भी जलभराव की स्थिति बनी है। जिन इलाकों में थोड़ा बहुत पानी कम हुआ है। वहां पर धान की फसल को अनेक बीमारियों पनपने लगी है। खासकर धान की फसल में हॉपर बीमारी आ गई है। हालांकि अभी इसका प्रकोप कुछ ही इलाकों में बना है,लेकिन अगर इसका इंतजाम नहीं हो पाया हो तो आने वाले समय में इस धान की पूरी फसल इसकी चपेट में है। फिलहाल हॉपर फैलाने वाला मच्छर धान के पौधों के गुच्छों में छुपा है। जो वहीं बैठ कर पौधे का रस चुस रहा है। धीरे धीरे हॉपर का प्रकोप बढ गया तो किसानों को बची कुची धान की फसल से हाथ धोने पड़ सकते है।

पराली प्रबंधन पर मिलेगी प्रोत्साहन राशि

पराली जलाने पर मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर रेड एंट्री होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

उपायुक्त मुनीष नागपाल ने कहा कि फसलों की कटाई के बाद खेतों में पराली या अन्य फसल अवशेष न जलाएं, बल्कि आधुनिक कृषि यंत्रों से उसका उचित प्रबंधन करें। सरकार द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए 1200 रुपये प्रति एकड़ तक की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। इसके अलावा किसान इन-सीटू व एक्स-सीटू प्रबंधन अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं और खेत की मिट्टी की उर्वरता को भी बढ़ा सकते हैं। उपायुक्त ने कहा कि पराली जलाने से पर्यावरण को गंभीर नुकसान होता है। वायु प्रदूषण बढ़ता है, जिससे सांस और आंखों की समस्याएं पैदा होती हैं। साथ ही खेत की मिट्टी में मौजूद जैविक पदार्थ और मित्र कीट नष्ट हो जाते हैं, जिससे जमीन की उपजाऊ शक्ति कम हो जाती है। कृषि विभाग की ओर से किसानों को सुपर सीडर, जीरो टिलेज मशीन, स्ट्रा चॉपर, हैपी सीडर, रिवर्सिबल प्लो और स्ट्रा बेलर मशीन जैसी आधुनिक मशीनों पर अनुदान दिया जाता है। इन यंत्रों से किसान फसल अवशेषों को खेत में मिलाकर खाद बना सकते हैं या स्ट्रा बेलर से गांठ बनाकर बेच सकते हैं। कृषि उपनिदेशक जितेंद्र अहलावत ने कहा कि पराली जलाने की घटनाओं पर सैटेलाइट मॉनिटरिंग और एएफएल ट्रैकिंग सिस्टम के जरिए कड़ी नजर रखी जाएगी। पराली प्रोटेक्शन फोर्स द्वारा आईसीएआर एवं हैरसक तकनीक से रियल-टाइम कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि पराली जलाने पर किसानों के खिलाफ भारी जुर्माना, एफआईआर दर्ज,'मेरी फसल-मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर रेड एंट्री और दो साल तक एमएसपी पर फसल बिक्री पर रोक जैसी कार्रवाई की जाएगी।

सख्ती

- पराली जलाने की घटनाओं की सेटेलाइट से होगी रियल टाइम ट्रैकिंग : उपायुक्त
- पराली जलाने पर एफआईआर दर्ज होगी और दो साल तक आपकी फसली एमएसपी पर नहीं बिकेगी
- फसल अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए 1200 रुपये प्रति एकड़ तक की प्रोत्साहन राशि दी जा रही
- अवशेषों में आग लगाने से खेत की मिट्टी में मौजूद जैविक पदार्थ और मित्र कीट नष्ट हो जाते हैं

महिला सहित पांच ने किया रक्तदान

भिवानी। इलाज की सुविधा होने के बाद भी कई बार लोगों के जीवन की डोर सिर्फ इसलिए टूट जाती है कि उन्हें समय पर खून नहीं मिलता। रक्तदान से किसी व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है। आज भी लोग गलत धारणाओं के कारण रक्तदान करने में हिचकते हैं, जबकि रक्तदान करने से रक्तदाता को कई गंभीर बीमारियों से बचाव होता है, ये जानकारी देते हुए शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने दी। उन्होने बताया कि भिवानी में निजी अस्पताल में वायरल फीवर से ग्रस्त मरीज के लिए ओ पॉजीटिव फ्रेश ब्लड की छह यूनिट जरूरत हुई तो युवती चंचल रानी सहित हरिओम, प्रेमचंद शर्मा, आशीष शर्मा, सुधीर सहित प्रकाशचंद्र ने रक्तदान किया। शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने शहर के सभी युवा रक्तदाताओं से अपील की कि दीवाली का त्योहार आ रहा है, इसलिए सभी रक्तदाता एमरजेंसी रक्तदान के लिए तैयार रहे।

विश्व शिक्षक दिवस पर 101 शिक्षकों को सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर ग्राम विकास एवं शिक्षा समिति ने राज्य के विभिन्न जिलों के 101 शिक्षकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर रविवार को गांव प्रेमनगर के हाई स्कूल में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. दीप्ति धर्माणी ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता बवानीखेड़ा के विधायक कपूर वाल्मीकि ने की। कार्यक्रम में सीआईडी के इंस्पेक्टर सुनील कुमार विशिष्ट अतिथि के तौर पर पहुंचे।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई। शिक्षक सम्मान समारोह में सराहनीय उपलब्धियों के लिए 101 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर कुलगुरू प्रो. दीप्ति धर्माणी ने कहा कि विद्यार्थियों को आदर्श नागरिक बनाने में शिक्षक की अहम भूमिका होती है। विधायक कपूर वाल्मीकि ने उपस्थित ग्रामीणों से आह्वान किया कि समाज में शिक्षकों को सम्मान दे और शिक्षा में सुधार के लिए उनका सहयोग करें। प्रो. दीप्ति धर्माणी व विधायक कपूर वाल्मीकि ने सभी अध्यापकों को विश्व शिक्षक दिवस की बधाई दी। सरपंच राजेश कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत व आभार प्रकट किया।

भिवानी। कार्यक्रम में शिक्षकों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये शिक्षक हुए सम्मानित: सम्मान समारोह में सारिका हेडमिस्ट्रेस, सीमा सरदाना, रीतु, सोनिया, अनिता, रीमा परमार, राजीव शर्मा, जितेंद्र सिंह, जोगेंद्र, प्रवीण, यशवंती, नीलम, कांता, राजसिंह, गीता, संतोष भाकर, दीपाली, मंजू बाला, सहायक प्रोफेसर योगेद्र, सहायक प्रोफेसर पुनीत चौधरी, सहायक प्रोफेसर शकुंतला, सतबीर फौगाट हेडमास्टर, जोगेंद्र बूरा, हेडमास्टर, इंदू बाला, ममता बलौदा, सुनीता बूरा, सुमन डागर, मंजू राज, दयावती, वेदवती, विनोद दूहन, सुदेश, दिनेश, संगीता, मनोज कुमार, प्रो जोगेंद्र दून डीन चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा, डा. सुरेखा, मंजीत ढांडा, कोच, प्रो. सविता ढांडा, कोच राजकुमार, मंजीत घोघलिया, अरुण दहिया, रमेश दूहन, अमनदीप, विरेंद्र दूहन कोच एवं जिला खेल अधिकारी रेवाड़ी, सीमा, रेखा, सन्नी, आजाद सिंह रंगा, अनिल अनुदेशक, अनुदेशक रोशन सिंह, राजेश ढांडा, युगदीप, नेहा, सहायक प्रोफेसर नवनीत, शिवकुमार, ममता बधवा, सुमित्रा बूरा, सुशीला, सुचित्रा सम्मानित हुए।

शिक्षक सुंदरपाल को राज्य स्तर पर किया सम्मानित

चरखी दादरी। राजकीय प्राथमिक पाठशाला कारीदास में बतौर जेबीटी अध्यापक कार्यरत सुंदरपाल फौगाट को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर आरोहण फाउंडेशन द्वारा आर्य गर्ल्स पब्लिक स्कूल पानीपत में राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया, जिसमें दादरी जिले से अध्यापक सुंदरपाल फौगाट को यह सम्मान मिला है।

सीआईए ने हेरोइन के साथ दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस की स्टाफ टू भिवानी की टीम ने गांव रतेरा से दो व्यक्तियों को मादक पदार्थ हीरोइन के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है । फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सीआईए स्टाफ -2 भिवानी के उप निरीक्षक बलजीत सिंह अपनी टीम के साथ गश्त पड़ताल ड्यूटी गांव रतेरा मौजूद थे जो पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई थी गांव रतेरा में वाटर वर्क्स के पास एक स्कॉर्पियो गाड़ी खड़ी है जिसमें दो व्यक्ति मादक पदार्थ हेरोइन लिए हुए हैं पुलिस टीम के द्वारा सूचना की महत्वता को देखते हुए बताए गए स्थान पर रेड करके दो आरोपियों को मादक पदार्थ हेरोइन के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सुनील पुत्र दिलीप निवासी वार्ड नंबर-1 तोशाम व अभिषेक पुत्र राज कुमार निवासी रतेरा जिला भिवानी के रूप में हुई है। पुलिस टीम के द्वारा आरोपियों से 57 ग्राम हेरोइन व एक स्कॉर्पियो गाड़ी को पुलिस कब्जे में लिया गया है।

नुपुर श्योराण जैसी प्रतिभाएं देश का गौरव: उमेद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बाढड़ा

विधायक उमेद पातुवास की अगुवाई में जिले भर के सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उनके फार्महाऊस पर आज अंतरराष्ट्रीय बा1सर नुपुर श्योराण व उनके माता पिता तथा अनेक नामचीन मुक्केबाजों का अभिनंदन किया तथा लड़कियों के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन करने पर बधाई दी।

विधायक उमेद पातुवास के आवास पर विश्व बा1सिंग चौंपियनशीप विजेता नुपुर श्योराण व उनके पिता भीम अवार्डी संजय श्योराण के पहुंचने पर सामाजिक व खेल संगठनों के प्रतिनिधियों ने जोरदार स्वागत करते हुए आशीर्वाद दिया। विधायक उमेद पातुवास ने कहा कि कहा कि नूपुर श्योराण जैसी बेटियां देश का गौरव हैं और आज हर युवा को यह प्रेरणा देती हैं कि मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के बल पर कोई भी सपना साकार किया जा सकता है। उनकी यह उपलब्धी भारत की नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शन और साहस का प्रतीक है। इनके दादा सबसे पहले एशियाड गोल्ड मेडलिस्ट व गुरु द्रोणाचार्य अवार्ड हासिल कर चुके हैं और पिता व बेटी भी देश का नाम रोशन कर रही हैं। विधायक की माता शांति देवी ने कहा कि नूपुर श्योराण ने पूरे उमरवास गांव व बाढड़ा क्षेत्र का मस्तक गर्व से ऊंचा कर दिया है।

बाढ़ड़ा। अपने आवास पर विश्व बॉक्सिंग चौंपियनशीप विजेता नुपुर श्योराण व उनके पिता भीम अवार्डी संजय श्योराण को सम्मानित करते विधायक उमेद पातुवास

ये रहे मौजूद: उनके साथ भाजपा जिलाध्यक्ष इंजीनियर सुनील हड़ौदी, मंडल अध्यक्ष शमशेर पंचगावां, पूर्व सरपंच मंदीप ढाणी फौगाट, देवराज शर्मा आदि मौजूद रहे।

वर्ल्ड कप की तैयारी कर रही प्रतिभावान बेटी

नूपुर ने यह सिद्ध किया है कि गांव की बेटियां भी अगर अवसर मिले तो हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर सकती हैं। बल्कि पूरे हरियाणा और भारत का गौरव बढ़ा है। हमें विश्वास है कि आने वाले समय में वह स्वर्ण पदक जीतकर देश की शान बढ़ाएंगी। रजत पदक विजेता नूपुर श्योराण ने कहा कि वह नवंबर माह में भारत में आयोजित होने वाले वर्ल्ड कप की तैयारी कर रही हैं। इसके लिए पटियाला में शिविर में भागीदारी कर अधिक मेहनत करूंगी ताकि देश के लिए स्वर्ण पदक जीत सकूं। अपने क्षेत्र में आकर बहुत अच्छा लगा और विधायक तथा क्षेत्र के गांव के दादा, चाचा, ताऊ और माताओं ने जो स मान दिया है, उसे मैं कभी नहीं भूल पाऊंगी।

करवा चौथ पर बदलेगी सूर्य और चंद्रमा की चाल : पं. रामकिशन

विष्णु दत्त शास्त्री ▶▶ तोशाम

अबकी बार करवा चौथ के दिन सूर्य और चंद्रमा दोनों एकसाथ चाल बदलने वाले हैं, चंद्रमा वृषभ राशि में गोचर करेंगे तो वहीं सूर्य चित्रा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। तोशाम के दक्षिणमुखी संकटमोचन मेहंदीपुर बालाजी दरबार के महंत पंडित रामकिशन महाराज ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ज्योतिष में सूर्य को आत्मविश्वास, सम्मान, यश और उच्च पद का कारक माना जाता है। अबकी बार करवा चौथ पर ग्रहों की स्थिति विशेष बदलाव लेकर आएगी। सूर्य और चंद्रमा के इस संयोग से कुछ राशियों के लिए भाग्य खुलने वाला है। इन राशियों के जातकों को आर्थिक लाभ, सफलता और समृद्धि मिलने के संकेत हैं। शुभ ग्रहों का प्रभाव इनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगा। यह समय विशेष रूप से उनके लिए लाभकारी साबित होगा।

उल्लेखनीय है कि करवा चौथ भारत में विवाहित महिलाओं के लिए एक बेहद प्रिय त्योहार है, जिसे व्रत, प्रार्थना और अनुष्ठानों के साथ अपने पतियों के प्रति प्रेम और समर्पण के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। परिवार परंपराओं का सम्मान करने और रिश्तों को मजबूत करने के लिए बहू के लिए करवा चौथ सरगी और सास के लिए पोही बया जैसे उपहारों का आदान-प्रदान भी करते हैं।

पंडित रामकिशन के अनुसार अबकी बार करवा चौथ व्रत 10 अक्टूबर, शुक्रवार को रखा जाएगा।

- 3 राशियों पर मां लक्ष्मी करेंगी धनवर्षा
- करवा चौथ पर रात्रि 8:13 पर होगा चंद्रोदय

करवा चौथ व्रत के दिन महिलाएँ सुबह सरगी खाकर पूरे दिन निर्जला व्रत (बिना पानी और खाना खाए) करती हैं और रात को चांद देखकर व्रत तोड़ती हैं।

वहीं सुहागन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। फिर रात को चंद्र दर्शन के समय पति के हाथ से जल ग्रहण करके ही व्रत खोलती हैं। इसलिए सुहागनें रात को बेसब्री से चांद निकलने का इंतजार करती हैं। पंडित रामकिशन महाराज का कहना था कि इस बार करवा चौथ पर एक बड़ा ही दुर्लभ संयोग बनने जा रहा है।दरअसल, करवा चौथ के दिन सूर्य और चंद्रमा दोनों एकसाथ चाल बदलने वाले हैं। यह दुर्लभ संयोग मुख्यतः तीन राशियों को लाभ दे सकता है, जिसमें वृषभ, कर्क और तुला राशि शामिल है।

हरियाणा में भू-जल चुनौतियों पर सीबीएलयू में विशेषज्ञ व्याख्यान

हरियाणा देश के सबसे जल-संकटग्रस्त राज्यों में से एक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

वराहमिहिरा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर रिसर्च इन क्लाइमेट स्टडीज द्वारा चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में भू-जलः समस्याएँ और चुनौतियाँ" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों को राज्य में बढ़ती भू-जल समस्या और सतत जल प्रबंधन के महत्व से अवगत कराना था।

मुख्य वक्ता प्रो. बी. एस. चौधरी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, भूभौतिकी और जल अध्ययन के विशेषज्ञ, थे। उन्होंने बताया कि हरियाणा भारत के सबसे जल-संकटग्रस्त राज्यों में से एक है, और लगभग 70% ब्लॉक अत्यधिक दोहन की श्रेणी में आते हैं (सेंट्रल ग्राउंड वॉटर बोर्ड के अनुसार)। जल-सघन फसलों की सिंचाई, अनियंत्रित जल दोहन और तीव्र शहरीकरण के कारण कई क्षेत्रों में भू-जल स्तर हर साल 0.5–1 मीटर घट रहा है। साथ ही, उर्वरक, कीटनाशक और औद्योगिक अपशिष्टों से जल प्रदूषण गंभीर स्वास्थ्य और पर्यावरणीय जोखिम पैदा कर रहा है। प्रो. चौधरी ने भू-जल प्रबंधन को केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक और नीति संबंधी चुनौती बताया। उन्होंने वर्षा जल संचयन, सूक्ष्म सिंचाई, फसल विविधीकरण और सामुदायिक भागीदारी अपनाने का सुझाव दिया और युवाओं को सतत विकास में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। सत्र के अंत में छात्रों ने जल संकट, सरकारी नीतियों और व्यवहारिक समाधान पर अपने प्रश्न प्रस्तुत किए। संकाय सदस्यों ने इसे सराहा और कहा कि इस तरह के कार्यक्रम शैक्षणिक ज्ञान को वास्तविक सामाजिक चुनौतियों से जोड़ते हैं। इस अवसर पर डीन प्रो संजीव कुमार, डॉ अश्वनी शर्मा, डॉ पवन कादियान, डॉ राकेश पंघाल,डॉ उत्पल कुमार,डॉ सुरभि ,जितेन्द्र सहित अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भिवानी। सीबीएलयू मे आयोजित कार्यक्रम में बैठे विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सीबीएलयू छात्रों को कर रहा है तैयार

यह व्याख्यान भू-जल संसाधनों की सुरक्षा और सतत उपयोग के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता को रेखांकित करता है। चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय सतत विकास, जलवायु अनुकूलन और समाज-केंद्रित अनुसंधान को बढ़ावा देते हुए छात्रों को सामाजिक और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार कर रहा है।

हरिभूमि

रोहतक, सोमवार, 6 अक्टूबर 2025

स्त्री अपने दर्द-दुःख बाँट लेती है लेकिन पुरुष जैसे कुछ खास न हुआ हो, का दिखावा करते हुए भीतर ही भीतर घुलता रहता है। उधर कृष्णा के बार-बार कुरेदने पर भी शांत और उदास सी अंकिता ने कुछ भी संकेत नहीं दिया। पति के प्रति आकर्षण का समापन तो ब्याह के माह भर बाद से ही कृष्णा अनुभव कर रही थी, 'परन्तु दूसरे के घर में व्यवस्थित होने में समय तो लगता ही है' सोचकर वह दिनचर्या में व्यस्त रहती।

कहानी

आशा खत्री 'लता'

कलंक

कुछ पल सोचकर कृष्णा ने बलजीत को फोन मिलाया- 'कहाँ हो? ज्यादा जरूरी काम ना हो तै घरां आ जाओ।' 'आऊँ सूँ' कहकर बलजीत ने फोन काट दिया। कुछ देर बाद बलजीत आ गया तो कृष्णा ने एक तरफ बैठकर सारी बात उसको बताई, जिसे सुनकर बलजीत भी हैरान, परेशान हो गया। कृष्णा ने अंकिता को चाय बनाने को कहा और बलजीत को समझाने लगी कि बात बहुत गम्भीर है, तुम विपिन से बात कर लो।

विवाह के केवल चार महीने बाद ही अंकिता फिर कभी ससुराल न जाने के इरादे के साथ पीहर लौट आई। कुशल-क्षेम जानने के बाद बेटी कितने दिन साथ रहेगी इस उत्सुकता से माँ ने पूछा- 'अमर कब आएगा तुझे लेने?'

माँ के इस प्रश्न पर उस वक्त तो अंकिता मौन साध गई, परन्तु अगले एक दो दिन में ही उसने स्पष्ट कर दिया कि अब वह कभी ससुराल नहीं जाने वाली। यह जानकर उसकी माँ के तो जैसे पैरों तले से जमीन ही खिसक गई। बड़ी मुश्किल से तो बेटी को एमबीए करवाकर हाथ पीले किए थे। छोटी श्वेता भी तो कॉलेज जाने लगी है। पीयूष दसवीं में हो गया है। मात्र डेढ़ एकड़ का किसान बलजीत और कृष्णा ने अपनी दिन-रात की मेहनत से बच्चों को पढ़ाने का बीड़ा उठाया हुआ है। पढ़ाई के खर्चे और भारी-भरकम फीस ने कभी कृष्णा को पसंद का कपड़ा तक तन से न लगाने दिया। जो पीहर से मिल जाता उसी में सब्र कर वह दो भैंसों का दूध बेचकर हर माह कुछ न कुछ बचत करती है ताकि बच्चों की पढ़ाई-लिखाई ठीक से हो सके। अंकिता के एमबीए करते ही बलजीत ने उसके लिए लड़का देखना शुरू कर दिया। जल्दी ही गाँव से लगभग तीस किलोमीटर की दूरी पर स्थित महम में रहने वाले श्रीनिवास के लड़के अमर से उसका रिश्ता तय कर चट मंगनी पट ब्याह की कहावत चरितार्थ करते हुए हाथ पीले कर दिए। बलजीत ने चद्दर से बाहर पैर पसारते हुए बेटी को दहेज में कपड़े, गहने, घर के दैनिक उपयोग का सामान आदि भी दिए ताकि बेटी को पराये घर में किसी चीज की दिक्कत न हो। कृष्णा और बलजीत दोनों को लगता था कि बेटी सुखी रहेगी। वे उसकी जिम्मेदारी से मुक्त हो गए हैं तो कुछ दिनों में अपनी मेहनत से इधर-उधर से लिया गया उधार भी वे जल्दी ही चुका देंगे। परन्तु इतनी शीघ्र बेटी का ससुराल से मोहभंग होना उनके सपनों पर गाज गिरने के समान था। कारण चाहे कुछ भी हो पर बेटी का वापस आकर बैठना! क्या कहेंगे लोग? कहीं बेटी किसी और के चंगुल में तो नहीं है? यह आशंका भी उनके मन में उठी परन्तु भोली-भाली अंकिता का निश्छल स्वभाव उन्हें ऐसा सोचने की अनुमति नहीं दे रहा।

कृष्णा को याद आया कि महीना भर पहले जब अंकिता आई थी तो उसकी एक ही मांग थी 'माँ मेरे लिए अलग बिस्तर बना दो ताकि मैं वहाँ रहकर अलग कमरे में पढ़ाई कर सकूँ।' यह सुनकर उसके हृदय को शूल सी चुभी थी कि बेटी ऐसा क्यों कह रही है। परन्तु उसने अंकिता को सलाह दी 'अभी अपने वैवाहिक जीवन को सुदृढ़ करो पढ़ाई लिखाई तो चलती ही रहेगी।' यह कहकर कृष्णा ने बिस्तर वाली बात अगली बार पर टाल दी थी। परन्तु उसे क्या पता था कि अलग सोने का बहाना करने वाली अंकिता महीने भर बाद कभी वापस न जाने का मन बनाकर लौट आएगी। बलजीत तो बेटियों से कम बात करता है। वह बार-बार कृष्णा को अंकिता का मन लेने को कहता। स्त्री अपने दर्द-दुःख बाँट लेती है लेकिन पुरुष जैसे कुछ खास न हुआ हो, का दिखावा करते हुए भीतर ही भीतर घुलता रहता है। उधर कृष्णा के बार-बार कुरेदने पर भी शांत और उदास सी अंकिता ने कुछ भी संकेत नहीं दिया। पति के प्रति आकर्षण व मिलन के उल्लास का समापन तो ब्याह के माह भर बाद से ही कृष्णा अनुभव कर रही थी, 'परन्तु दूसरे के घर में व्यवस्थित होने में समय तो लगता ही है' सोचकर वह अपनी दिनचर्या में व्यस्त रहती। उसे तसल्ली इस बात की थी कि अंकिता ने कभी सास-ससुर, देवर, ननद, पति किसी के भी व्यवहार की, किसी तरह की कमी या दुःख की कोई शिकायत नहीं की तो उन्हें लगता रहा कि सब ठीक ही होगा।

कहते हैं न कि दीवारों के भी कान होते हैं। शायद यह सच ही होगा तभी तो अंकिता के ससुराल न जाने की बात गाँव भर में फैल गयी। अब लोगों ने उसे और चटपटी करते हुए नमक-मिर्च लगाकर तलाक की बात तक पहुंचा दिया। बात जब बाहर निकली तो बतंगड़ बनने ही थे। कुछ लोग तो आजकल लड़कियाँ कितनी बिगड़ गयी हैं का उदाहरण अंकिता का नाम लेकर देने लगे। जो भी सुनता एक वाक्य अपनी तरफ से जोड़ ही देता 'आजकल की लड़कियाँ घर कोनी बसावैं' तो कोई कहता 'देख लिया घणी पढ़ावण का नतीजा' और कोई कहता 'छोड़ दी होगी लड़के वालों ने, ये अपनी का कसूर क्यों बतावेंगे' मतलब जितने मुँह उतनी बात। जबकि इस प्रकरण से पहले यही लोग थे जो अंकिता की शराफत का उदाहरण अपनी बेटियों को देते थे।

इन सब बातों को बिना सुने भी अनुभव करते बलजीत कृष्णा बेटी के उतरे मुँह को देख खुद भी उदासी में डूब जाते। माँ भाँति-भाँति के जतन करती उसके मन की बात जानने को, परन्तु सफल न हो पाती। माँ तो माँ होती है अपनी संतान के हित उसके प्रयास कभी थमते नहीं। एक दिन गली में 'सूट ले ल्यो, सूट ले ल्यो' की आवाज सुनकर कृष्णा ने अंकिता को सुनाते हुए पीयूष से कहा 'बेटे बुला तो फेरी वाले को दो-चार अंकिता और एक सूट उसकी सास के लिए ले लेती हूँ।'

'रुक जा पीयूष' बाहर निकलते भाई को अंकिता ने रोका तो उसके पाँव ठिठक गए। 'माँ आप लोगों को कितनी बार कह चुकी कि मुझे वहाँ नहीं जाना।' उसने माँ की ओर देखते हुए कहा।

'पर क्यों नहीं जाना? कोई कारण तो हो? फिर यहाँ क्या करेगी? बाप की छाती पे मूंग दलेगी? देख तेरे छोटे बहन-भाई पर क्या असर पड़ेगा तेरे इस फैसले से। हम लोगों को क्या जवाब देंगे? कभी सोचा है तूने?' कहती हुई माँ रोने को हो आई। अंकिता कुछ जवाब देती, उससे पहले ही मोबाइल की घण्टी बज उठी। उसने मोबाइल पर आया नाम देखकर फोन काट दिया। मैट्रिक तक पढ़ी कृष्णा ने उसकी यह हरकत देखकर मोबाइल उसके हाथ से छीन लिया।

'अमर का फोन' वह बुदबुदाई और अगले ही पल वापस फोन मिला दिया। 'हेलो' 'हाँ बेटे' 'नमस्ते मम्मी। अंकिता तो पता नहीं क्यों मेरा फोन नहीं उठा रही, मैं ये कह रहा था कि मैं कल उसे लेने आ रहा हूँ।' 'ठीक है बेटा, आ जाओ, और सब ठीक हैं घर में?' 'हाँ मम्मी सब ठीक हैं।'

अपनी माँ को मेरी राम-राम कह देना बेटे।' कहकर कृष्णा ने फोन काट दिया। 'अंकिता कल अमर आ रहा है तुझे लेने, जाने की तैयारी कर ले बेटी। वो फेरी वाला भी निकल गया। अब मुझे कपड़े लेने जगदीश बनिया की दुकान पर जाना पड़ेगा।' कृष्णा ने सपाट लहजे में कहा। 'मुझे नहीं जाना माँ।' अंकिता ने धीरे से परन्तु दृढ़ निश्चय के साथ कहा। 'पर क्यों नहीं जाना?' कृष्णा ने उसे कंधों से पकड़कर झकझोरते हुए पूछा।

इस बीच पीयूष किताबें उठाकर जीने की सीढ़ियां चढ़ने लगा। श्वेता कॉलेज और बलजीत खेतों में गए हुए थे। आज कृष्णा भी अंकिता से पूरी बात जानने की ठान चुकी थी। सो, उसने अंकिता को अपने पास बिठाकर उसे गले से लगाते हुए कहा-'कारण कुछ भी हो अंकिता बताना तो पड़ेगा तुझे, नहीं तो कल जाना पड़ेगा। मैं तेरी माँ हूँ, तू अपना दुख मुझसे नहीं कहेगी तो किस से कहेगी बेटी। यदि तू पूरी बात बताएगी तो हमें भी तुझे समझने में आसानी रहेगी।' कृष्णा कारण जानने को व्याकुल थी मगर अंकिता का मौन टूटने का नाम ही नहीं ले रहा था। हार कैसे मानती तो फिर एक बार माँ के उत्तरदायित्व ने हौसला दिया- 'देख अंकिता तेरे पिता कितने चिंतित रहते हैं तेरे लिए। आये दिन लोगों को हार्टअटैक की घटनाएं हो रही हैं तेरे पापा को कहीं कुछ हो गया तो...'और वे रुआँसी हो आयी।

'माँ, मैं क्या बताऊँ, कैसे बताऊँ कि सच क्या है। आपने तो घर-नौकरी देखकर मेरा ब्याह कर दिया। मुझे भी वहाँ कोई दिक्कत नहीं किसी से...'कहते हुए अंकिता के होंठ फिर से सिल गए।'

देख बेटा बताना तो पड़ेगा तुझे। हमारी हालत देख रही है न तू। तुम तीनों की पढ़ाई-लिखाई के साथ तेरे ब्याह में उठाये कर्ज के ब्याज का भी भुगतान हम अभी तक नहीं कर पाए हैं।' 'माँ, मैं नौकरी करूँगी। पापा का हाथ बटाऊंगी, सुबह शाम आपके साथ भैंसों का, घर का काम भी करूँगी पर वहाँ मत भेजो माँ, मुझे वहाँ मत भेजो।' कहते हुए अंकिता फफक पड़ी।' पर क्यों ना भेजूँ मेरी लाडो, बात तो बता।'

'माँ, उसे मेरी जरूरत नहीं है वह किसी और लड़के के साथ...'

'लड़के के साथ...' कृष्णा हतप्रभ रह गई। उसे समझ नहीं आ रहा था कि माजरा क्या है। 'माँ, यह मुझ से तो बात ही नहीं करता है। रात को कभी माँ के पास जाकर सो जाता है तो कभी दादी के पास। अभी कुछ दिनों पहले जब ये नहाने गया हुआ था तो इसका फोन बजा। मैंने उठाया तो उधर से कहा गया, तुम कौन हो? मैंने कहा मैं उनकी पत्नी हूँ। तो उसने कहा तू इसकी कुछ नहीं है। मुझसे वादा खिलाफी नहीं कर सकता अमर। हम दोनों साथ रहेंगे। उसकी पत्नी बनकर तो मैं रहूँगा। तुम दफा हो जाओ इसकी जिंदगी से। 'क्या बकवास कर रहे हो तुम' मैंने कहा तो वह गुर्राया-'बकवास नहीं कर रहा हूँ ज्यादा चूं-चपड़ की तो खत्म कर दूँगा तुझे, न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी। और सुन यकीन नहीं आता तो वीडियो भेजता हूँ अभी, देख लेना।' और माँ उसने तत्काल दो वीडियो भेजी। जिन्हें मैंने अपने नम्बर पर फारवर्ड कर अमर के फोन से तत्काल डिलीट कर दिया।

'वीडियो दिखा' कृष्णा ने उतावली होते हुए कहा। अंकिता ने मोबाइल की गैलरी में वह वीडियो टिक कर मोबाइल माँ को थमा दिया। दो पुरुषों की ऐसी गन्दी, घिनौनी वीडियो देखकर कृष्णा की हालत खराब हो गई। यह सब तो जिंदगी में न सुना, न कल्पना की। 'कोई बात नहीं बेटी। आने दे तेरे पापा को मैं बात करती हूँ।' कुछ पल सोचकर कृष्णा ने बलजीत को फोन मिलाया- 'कहाँ हो? ज्यादा जरूरी काम ना हो तै घरां आ जाओ।' 'आऊँ सूँ' कहकर बलजीत ने फोन काट दिया। कुछ देर बाद बलजीत आ गया तो कृष्णा ने एक तरफ बैठकर सारी बात बलजीत को बताई, जिसे सुनकर बलजीत भी हैरान, परेशान हो गया। कृष्णा ने अंकिता को चाय बनाने को कहा और बलजीत को समझाने लगी कि बात बहुत गम्भीर है, तुम विपिन से बात कर लो। वह जरूर कुछ समाधान सोचेगा।' हाँ विपिन को तो मैंने वैसे भी बता दिया था कि अंकिता ससुराल जाने से मना कर रही है। उसने कहा भी था कि कोई गम्भीर बात ही होगी। वरना हमारी अंकिता ऐसा क्यों कहती।'

शाम को बड़े भाई का बेटा विपिन घर आया तो बलजीत ने उसे बुला भेजा-'आ जा विपिन आज चाय यहीं बना देगी अंकिता'

'आता हूँ काका' कहते हुए दो मिनट में ही विपिन आ गया। बलजीत ने उसे शुरू से आखिर तक सारी बात बतायी, वीडियो भी दिखाई। उसे आश्चर्य तो बहुत हुआ पर उसने यही कहा कि यह बीमारी भी अब फैल रही है। आपने सुना ही होगा दो-तीन वर्ष पहले नजदीक के ही शहर में ऐसे ही एक चक्कर में विरोध करने पर एक युवक ने अपने परिवार को ही मौत के घाट उतार दिया था। यह सुनकर बलजीत के बदन में झुरझुरी सी आ गयी। 'अब क्या होगा विपिन?' 'होगा क्या काका पहले तो कल अमर आ रहा है उससे पूछ लेते हैं। उसके बाद आगे की सोचेंगे। अगले दिन अमर के पहुँचते ही बाट जोह रहे बलजीत व विपिन ने उसे बैठक में बिठाकर चाय-पानी के बाद जानना चाहा कि मामला क्या है? अमर तो इस चालाकी में था कि जैसे अंकिता को कुछ पता न उसके घरवालों को। 'ऐसा कुछ नहीं है' कहते हुए वह पहले तो साफ मुकर गया। परन्तु विपिन ने उसे बातों में घेरते हुए कहा कि सबूत है मेरे पास।' सबूत तो तब होंगे न जब कुछ होगा' अमर को अपने रुख पर कायम देख विपिन ने उसे वीडियो दिखाई तो अमर सन्न रह गया। उसे एकदम से पसीना आ गया। 'यह तू है न दूसरे लड़के के साथ?' विपिन ने पूरे आवेश में उस पर मुक्का तानते हुए कहा। 'हाँ' कहते हुए अमर ने गर्दन झुकाकर आँखें धरती में गड़ो दी। 'अब तू यहाँ से भाग कल हम आते हैं तेरे घर अपने बाप को बता देना।' अत्यंत क्रोध में बलजीत चिल्ला पड़ा। अमर तुरन्त सटक गया। अंकिता को कलेजे से लगाये उसकी माँ रो पड़ी- 'मेरी बेटी जैसी गयी थी वैसी ही आ गयी। मैं इसकी दूसरी शादी कर दूँगी। पर जो दुहेजू होने का कलंक इस पर लग गया, इसे कैसे हटाऊँ?

लघु कथा

वीना सिंह

कागज़ की नाव

पानी मटमैला था, लेकिन आँखें चमक रही थीं।
बरसात के बाद गाँव की उस पतली सी नाली में बहता पानी जैसे कोई समंदर हो, और उसका कप्तान—वो
नन्हा बच्चा। टूटी हुई चप्पलें, आधे गीले कपड़े, गले में एक काली डोरी और हाथ में॒ कागज़ की नाव।
वो नाव उसकी कल्पना थी—कभी जहाज बन जाती, कभी युद्धपोत। और उसके होंठों पर खिलती मुस्कान,
किसी विजेता की सी।
"डूबेगी नहीं?" पीछे से किसी ने पूछा।
उसने बिना मुड़े कहा, "नहीं! मेरी बनाई है। इसे सपनों से जोड़ा है, पानी से नहीं।"
दूर बैठा बूढ़ा दादा, जो कभी अपने बचपन में ऐसी ही नावें बहाया करता था, चुपचाप मुस्कुराया। उसे याद
आया, बरसात में बहता पानी कभी सिर्फ पानी नहीं होता—वो बचपन की सबसे पवित्र नदी होती है, जिसमें न
कोई डर होता है, न कोई कल की चिंता।
बारिश थम चुकी थी, लेकिन उसके सपनों की नाव बहती रही॒ उस नाली में नहीं, उस आजादी में, जो सिर्फ बचपन जानता है।

कविता

राज ख्यालिया

संगीत

संगीत जब मन को छू जाए,
आत्मा का द्वार खुल जाए।
धुनों में बहती सुध-बुध सारी,
जैसे हो साधना कोई प्यारी।

नाद उठे शिव का डमरू बोले,
वहीं सत्य समाधि के स्वर डोले।
कृष्ण की बंसी जब जहाँ भी गूंजे,
योग की भाषा खोजो तुम खुद में

कला बसी नृत्य की थिरकन में
चित्रकला बहती है रेखाओं में।
शब्दों की रचना में,भावों की बात,
मिले मन को शांति, स्वमं के साथ।

हस्तशिल्प की बुनावट गहरी,
मानवता की कथा कह रही।
रचनात्मकता के हर रंग में,
मन पाता है शांति उमंग में।

जब थकी लगे जीवन की चाल,
ले संगीत, चित्र या राग-माल।
मन के बोझ को हल्का कर लो,
हर चिंता को तितली कर दो।

कभी अकेले में गुनगुनाओ,
या बच्चों संग खिलखिलाओ।
कभी बिखराओ रंग सपनों के,
या थिरको सुरों के धुनों में।

कला ध्यान का सहज उपाय,
तन मन को देता सुकून प्रायः।
योग का यह नया विस्तार,
कला में प्राणों का संचार।

कविता

डॉ.कमलेश मलिक

मां दुर्गा

स्मरण तुम्हारा आते ही मां
पुलकित हो जाता है तन मन

भिन्न-भिन्न रूपों में आकर
भक्तों को खूब रिझाती हो
सब की मांगे अपनी-अपनी
तुम सब पर प्यार लुटाती हो

धूप -दीप - नैवेद्य यही है
कर लाई हूं कुछ शब्द चयन

ब्रह्मचारिणी कहला कर भी
तुम गौरी मां बनकर आयीं
तुम कालरात्रि भी बनी कभी
तुम सिद्धिदात्री भी कहलायीं

हे ! कल्याणी हे! कात्यायिनी
तुमको अर्पित हैं भाव सुमन

हे! आदि शक्ति तुम जगजननी
अमृत बरसाने वाली हो
इस रूखी सूखी धरती को
तुम ही सरसने वाली हो

मैं ढूंढ रही अंतर्घट में
हाथों में मेरे है दर्पण

साहित्यकार डॉ. शमीम शर्मा का कहना है कि युवा पीढ़ी पोर्नोग्राफी वीडियो को सर्च करने में अपना समय बर्बाद कर देती है, लेकिन साहित्य से जुड़ी सामग्री सर्च करने में कोई रुचि नहीं है। उन्होंने चिंता जताई कि मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित गोदान को बच्चा अपने पाठ्यक्रम में होने के कारण उसके प्रश्न-उत्तरों को रट करके परीक्षा दे देता है। ऐसे में गोदान पढ़ने का जो मजा है, वह कैसे आएगा। प्रेमचंद तो गोदान में हैं, प्रेमचंद गोदान के प्रश्न-उत्तरों में नहीं है।

साक्षात्कार

शमशेर सैनी

साहित्य पाठन से दूर हो रही नई पीढ़ी : डा. शमीम शर्मा

वर्तमान समय में साहित्य बहुत लिखा जा रहा है। आज हर दिन कविता की नई किताब आ रही है लेकिन चिंता का विषय यह है कि उन्हें पढ़ कौन रहा है। पुस्तकें मूल्यांकन के लिए साहित्य अकादमियों के पास पहुंच जाती हैं और डिस्ट्रीब्यूट हो जाती हैं। आज पाठक वही है, जो लेखक है। नई पीढ़ी साहित्य से दूर होती जा रही है। उनकी साहित्य में कोई रुचि नहीं है। काव्य, कहानियां, उपन्यास इन सब से युवा कोसों दूर हो गए हैं।

यह कहना है हरियाणा साहित्य जगत में महिला साहित्यकार एवं शिक्षाविद् के रूप में अपनी एक अलग पहचान रखने वाली डॉ. शमीम शर्मा का। साहित्यकार डॉ. शर्मा हरिभूमि के साथ विशेष बातचीत कर रही थीं। उन्होंने साहित्य की शुरुआत से लेकर नई पीढ़ी में साहित्य के प्रति कम होती रूचि जैसे विषय पर लंबी चर्चा की। डॉ. शर्मा ने कहा कि साहित्य क्या लिखा जा रहा है, कितना लिखा जा रहा है, यह तो बाद का प्रश्न है, जो लिखा जा रहा है, वो इतना सजावटी हो गया है कि जैसे हमारी पांडुलिपियां हैं, उन्हें लाल वस्त्रों में लपेटकर रखा गया है। वर्षों से रखी हुई है। कोई उनको पढ़ता नहीं, खोलता नहीं। मुंशी प्रेमचंद, महाकवि जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला यह लाइब्रेरी की सज्जा हो गए हैं। जैसे घर में सजावट का सामान रखा हो। न उन्हें कोई गले लगाते हैं, न कोई उन्हें स्पर्श करता है। उसी तरह से किताब होती जा रही है। एक समय था जब लोग साहित्य पढ़ने को लालायित होते थे। पढ़ने का शौक इतना प्रगढ़ था कि लोग साहित्य, पात्रिकाएं किराए पर लेकर पढ़ते थे। उस समय पढ़ने का बड़ा महत्व था। आज के परिप्रेक्ष्य में हम देखते हैं कि जो पढ़ने का शौक होता था वह शौक धीरे-धीरे यह मोबाइल खा गया है। बिना साहित्य के पली पीढ़ी पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में घरों से किताबें गायब होती जा रही हैं। इसका नतीजा यह है कि युवा साहित्य से बेखबर हैं। बिना साहित्य के पली पीढ़ी समाज के लिए नुकसानदायक है। अच्छे साहित्य की पहचान न होना, अच्छे लेखकों को बेहतर मौके न मिल पाना और खराब साहित्य का प्रचलन में आना भी समाज के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि पुष्पक विमान है, जिसने रामचरितमानस पढ़ी नहीं, उसको क्या पता कि हमारे यहां हजारों साल पहले पुष्पक विमान की खोज हो चुकी थी। वर्तमान में विश्व के कई देश युद्ध के दौरान मिसाइल छोड़ रहे हैं। हमारे यहां तो महर्षि वाल्मीकि ने रामायण में 5000 साल पहले ही अग्नि बाण, वायु बाण आदि का जिक्र कर दिया था।

प्रकाशित पुस्तकें

कुरुक्षेत्र हस्ताक्षर (लघुकथा संग्रह), अजन्मी बेटी की चिट्ठी (विचारोत्तेजक आलेख), पंचनाद (संतों की वाणी में क्रांति चेतना), चौपाल के मखौल, चौपाल के चाले. (हरियाणवी हास्य), एक बिटिया तो जरूरी है (लघुकथा संग्रह), रोशनी है हम (कविता संग्रह), मंगल सूत्र और मेडल (महिला सशक्तीकरण पर आधारित निबन्ध), कोरोना की चिंगारियां (विचारपरक निबन्ध) बेटे बेटियों में खूब फर्क है, दो नंबर वाली लक्ष्मी (विचारोतेजक आलेख), जादूभरा साथ (कविता संग्रह) प्रकाशित हो चुके हैं।

डॉ. शमीम शर्मा

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी ने डॉ. शमीम शर्मा को वर्ष 2017 के लिए श्रेष्ठ महिला रचनाकार सम्मान से नवाजा है। वर्ष 2009 में हरियाणा सरकार द्वारा प्रकाशित हरियाणा एन्साइक्लोपीडिया का संपादन किया। हरियाणा हिंदी साहित्य अकादमी से भी उन्हें 'विशिष्ट हिंदी सेवी' पुरस्कार मिला है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय मदर टेरेसा द्वारा स्वर्ण पदक मिला। 2001 की जनगणना में सराहनीय सहयोग के लिए राष्ट्रपति के रजत पदक का सम्मान मिला।

सोशल मीडिया पर फर्जी फॉरवर्ड

सोशल मीडिया पर डाली पोस्टों को फर्जी फॉरवर्ड बताते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि वाट्सएप और फेसबुक करते-करते हम मैसेज यहां से वहां और वहां से वहां भेज रहे हैं। कई बार मैं देख रही होती हूं कि सोशल मीडिया में पोस्ट की गई कहानी के नीचे महादेवी वर्मा लिखा होता है, जबकि महादेवी वर्मा ने कोई कहानी लिखी ही नहीं। लोग ऐसे ही फर्जी फॉरवर्ड कर रहे हैं। सोशल मीडिया की वायरल पोस्टों में उनकी प्रमाणिकता का पता नहीं है, लेकिन भेड़ चाल की वजह से पोस्ट पर पोस्ट किए जा रहे हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. शमीम शर्मा
जन्म : 17 मार्च 1959
जन्म स्थान : गांव जुम्बा, जिला मलोट (पंजाब)
शिक्षा : एमए (स्वर्ण पदक प्राप्त), एमफिल(स्वर्ण पदक प्राप्त), पीएचडी(हिन्दी) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।

पहले लाइब्रेरी में सीट नहीं, अब वहां विद्यार्थी नहीं

लाइब्रेरी से जुड़े अपने अनुभव को साझा करते हुए डॉ. शमीश शर्मा ने कहा कि जब हम लाइब्रेरी में पढ़ने के लिए जाते थे तो हमें बैठने को सीट तक नहीं मिलती थी, लेकिन वर्तमान में लाइब्रेरी में सीट तो हैं, परंतु विद्यार्थी नहीं मिलते। डॉ. शर्मा ने बताया कि साहित्य से जुड़े होने के कारण मैंने अपने कॉलेज में भी लाइब्रेरी के लिए स्पेशल एक पीरियड बनाया हुआ है। उसमें हम बच्चों को धक्के से लाइब्रेरी में लेकर जाते हैं, ताकि बच्चे वहां जाकर पढ़ें। साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाने पर जोर देते हुए साहित्यकार डॉ. शमीम शर्मा ने कहा कि समाज में हमें युवाओं को पढ़ाने की तरफ अग्रसर करना होगा। उनको प्रेरित व जागरूक करना होगा कि बिना साहित्य पढ़े, हमें न तो अपने अतीत का पता चलेगा और न ही हम अपने भविष्य की सोच पाएंगे।

समाज की परतों को उजागर करती 'ताश का घर'

पुस्तक : ताश का घर
लेखिका : सविता स्याल
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : कौशिक पब्लिशिंग हाउस

पुस्तक समीक्षा

डॉ. अंजना गर्ग

साहित्य सदा से समाज का दर्पण रहा है, और लघुकथा उस दर्पण की सबसे सजीव छवि। सविता स्याल समकालीन हिंदी साहित्य की एक सशक्त और संवेदनशील रचनाकार है, जिनकी लेखनी समाज के भीतर बहती भावनात्मक धाराओं को गहराई से छूती है। उनकी लेखनी एक ओर जहां समाज की विडंबनायों को उजागर करती है वहीं दूसरी ओर उम्मीद और आत्मबल का स्वर भी रचती है।

'ताश का घर' लेखिका सविता स्याल द्वारा रचित एक सशक्त लघुकथा- संग्रह है, जो समकालीन समाज की विविध परतों को बड़ी सादगी और गहराई से उजागर करता है। यह संग्रह न केवल मानवीय संबंधों की पड़ताल करता है बल्कि उन मौन द्वंदों और विसंगतियों को भी सामने लाता है जिन्हें अक्सर समाज के बहाव में अनदेखा कर दिया जाता है। सविता स्याल ने अपनी लघु कथाओं में समाज के विभिन्न पहलुओं को उकेरा है जैसे ' दोषी कौन', ' मी टू', ' मृगतृष्णा' , ' रक्षक/ भक्षक', ' वापसी' जैसी लघुकथाएं इसका उदाहरण है। बाल मनोविज्ञान पर लिखी लघुकथाएं जैसे ' जूम वाली दादी' एवं ' एक दोस्ती ऐसी भी' एक अलग ही प्रभाव छोड़ती हैं। मानवी संवेदनाओं से ओतप्रोत ' दूसरी मां' तथा ' डील' भी संग्रह की खूबसूरत रचनाएं हैं और मानव मन पर एक अलग ही प्रभाव छोड़ती है। 'श्राद्ध' एक अनूठे प्यार की लघुकथा है जिसमें पति पारंपरिक लीक से हटकर पत्नी का श्राद्ध करता है। शीर्षक कथा ' ताश का घर' की बात करें तो जिसके माध्यम से लेखिका ने बिना विवाह किए साथ रहने वाले युवाओं को उसके दुष्परिणामों के बारे में सचेत किया है। यह लघुकथा बहुत से नौजवानों को राह दिखाने का काम करेगी। हर लघुकथा एक सामाजिक प्रश्न खड़ा करती है। कई लघुकथाओं में लेखिका ने उनका समाधान भी बताया है परंतु कुछ लघुकथाएं पाठकों के लिए छोड़ दी हैं जिनका उत्तर पाठक को स्वयं तलाशना होगा। सविता स्याल की भाषा सरल, संवेदनशील और बिंबात्मक है। शैली संवाद प्रधान होने के साथ-साथ सूक्ष्म व्यंग्य और भावनात्मक गहराई का सुंदर संयोजन है। ' ताश का घर' उन साहित्य प्रेमियों के लिए एक अनिवार्य संग्रह है जो लघुकथा को केवल रचना नहीं सामाजिक संवाद मानते हैं। यह पुस्तक विद्यार्थियों, शिक्षकों, सामाजिक शोधकर्ताओं और संवेदनशील पाठकों के लिए उपयोगी है। लेखका को ढेरों शुभकामनाएं एवं आशा करती हूं कि इस प्रथम लघुकथा संग्रह के बाद उनकी कलम लगातार लघुकथा सर्जन पर भी चलती रहेगी।

गोरड़ी कर सोलह सिणगार चाली पाणी नै पणिहार, पाणी सैयां कुण तो भरै, म्हरो गोरबंद नखरालो

नीलै घोड़ै रो असवार, म्हारा ओ मेवाड़ी सिरताज, म्हारी सुणतां...

बीन का लहरा, ढफ की धमाधम व ढोलक की थाप से गूंजा सांस्कृतिक सदन का सभागार

- छोटी काशी में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार मीना सपेरा एवं दल ने बांधा समां, दर्शक हुए मंत्रमुग्ध
- सांस्कृतिक सदन में चार दिवसीय लोक कला उत्सव का आगाज, गायन एवं नृत्य की दी प्रस्तुतियां

भिवानी। लोक कला उत्सव में राजस्थानी नृत्य की प्रस्तुति देती प्रतिभागी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

बीन का लहरा, ढफ की धमाधम और ढोलक की थाप से सांस्कृतिक सदन का सभागार का मंच लरज उठा। सांस्कृतिक मंच के सहयोग से उत्तर मध्य सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज भारत सरकार तथा कला एवं सांस्कृतिक कार्यविभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में 4 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक होने वाले लोक कला उत्सव का उद्घाटन विधायक घनश्यामदास सर्राफ, वित्त सलाहकार सुरेन्द्र शर्मा एडवोकेट, मंच के संरक्षक डॉ. धर्मवीर ढिल्लों, अध्यक्ष प्रोफेसर नीता चावला व मीना सपेरा ने संयुक्त रूप से गणेश की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित करके किया। जयपुर से पधारी अंतरराष्ट्रीय राजस्थानी नृत्यांगना मीना सपेरा व दल ने गजानंद आओ जी म्हारी सभा मै रंग बरसावो जी गणेश वंदना की भव्य प्रस्तुति दी। मंच के प्रवक्ता बुद्धदेव आर्य व जगत नारायण भारद्वाज ने संस्था का परिचय तथा चार दिवसीय कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये दल कालबेलिया, भवई, चरी, घूमर तथा लोकगीत के लिए देश विदेश की यात्रा कर चुका है।

अनीता नाथ तथा डॉ. वत्स ने किया मंच संचालन

अनीता नाथ तथा डॉ. वंदना वत्स ने अपने चिर परिचित अंदाज में मंच संचालन कर दर्शकों व कलाकारों की प्रशंसा बटोरी। कलाकार साबूलाल यश व साथियों ने सोनै री धरती जठै ओ जी चाँदी रो आसमान रंग रंगीलो म्हारो प्यारो राजस्थान ओ जी केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारै देस रे राजस्थानी स्वागत गीत गाया, जिससे सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मीना सपेरा की सखियों ने किसनगढ़ शैली का चरी नृत्य म्हारै माथां नै मैमद ल्याज्यो जी, मैं तो नाचबां नै आई बाजूबंद भूल आई, चिरमी रा डाला चार वारी जाऊं चिरमी नै प्रस्तुत किया तो सभी उपस्थित जन झूम उठे। लोक कलाकार श्रीराम ने महाराणा प्रताप का यशोगान नीलै घोडै रो असवार म्हारा ओ मेवाड़ी सिरताज म्हारी सुणतां ही ज्याज्यो जी, गाया तो दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी।

ओ श्याम बिहारी ...

श्याम भजन ओ श्याम बिहारी कजरारे तेरे मोटे मोटे नैण पर दर्शकों ने भी भजन गाकर कलाकारों का साथ दिया। अर र र र र कालो कूद पड्यो मेलै मै-कालबेलिया नृत्य से कार्यक्रम का समापन होने पर सभागार में उपस्थितजन ने खड़े होकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। सभी कलाकारों तथा अतिथियों का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। इस मौके पर सुरेश गुप्ता, सज्जन अग्रवाल एडवोकेट, आशुतोष शर्मा, रीना तनेजा, शशि अरोडा, डॉ. नीलांगिनी, शशी परमार, रेखा तंवर, भाजपा नेत्री नमिता तंवर, रेणु वधवा, संदीप वधवा, कांति कौशिक व अनिल वत्स आदि मौजूद रहे।

दर्शकों ने दांतो तले ऊंगली दबा ली

म्हारी घूमर सै नखराली की दी सुंदर प्रस्तुति राजस्थान में पानी की कमी के कारण महिलाएं सात सात मटके सिर पर रखकर लाती रही हैं, उसी से प्रेरित नृत्यांगना ने सिर पर सात मटके रखकर पांव के नीचे गिलास रखकर, धरती से 500 का नोट उठाकर भवई नाच-माटी कै धोरां सै होकर पाणी का मटका ल्यावै, गोरड़ी कर सोलह सिणगार चाली पाणी नै पणिहार, दल बादली रो पाणी सैयां कुण तो भरै, म्हरो गोरबंद नखरालो किया तो दर्शकों ने दांतो तले ऊंगली दबा ली तथा सभागार झूम उठा। प्रसिद्ध घूमर नृत्य म्हारी घूमर पर भी प्रस्तुति दी गई।

पावर सिस्टर्स प्रियंका और भारती घणघस का स्वागत

बवानीखेड़ा। गांव पहुंचने पर बेटियों को सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्र राजनीति में धनाना गांव का नाम रोशन करने वाली दो सगी बहनों, प्रियंका घणघस और भारती घणघस के सम्मान में गांव धनाना में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया।

इन पॉवर सिस्टर्स ने अपनी मेहनत और लगन से न केवल अपने परिवार का सिर गर्व से ऊंचा किया है, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए एक नई प्रेरणास्त्रोत बनकर उभरी हैं।

सम्मान समारोह

गांव में दोनों बेटियों के पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनका फूल-मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों के साथ उनकी अगवानी की गई और पूरे गांव में जश्न का माहौल रहा। इसके उपरांत गांव के ऐतिहासिक बंगला में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जहां अनेक गणमान्य लोगों ने दोनों बहनों को सम्मानित किया। इस समारोह की अध्यक्षता घणघस खाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम कुमार ने की, जबकि मंच का संचालन रविंद्र ने किया।

भिवानी। क्रिकेट का मैच शुरू होने से पहले खेल प्रशिक्षकों के साथ खिलाड़ी।

सीबीएलयू में क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू

भिवानी। चौ. बंसीलाल यूनिवसिटी के पूराने कैपस ग्राऊंड में अंडर 17, 20 व 22 आयु वर्ग की क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ डा. सुरेश कुमार मलिक ने भिवानी और हांसी का टॉस करवा कर किया। हांसी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया और भिवानी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 134 का टारगेट किदया। आजाद ने 30, परमजीत ने 17, कप्तान आरती ने 15 रन का योगदान दिया। हांसी की तरफ से अंकुश ने 3 ऑवर में केवल 9 रन देकर 2 विकेट लिए। हांसी ने भिवानी के 4 खिलाड़ियों को रन आउट किया।

खबर संक्षेप

ब्राह्मण सभा की बैठक में सामाजिक मुद्दों पर मंथन

बाढड़ा। कस्बे में आयोजित ब्राह्मण सभा सिंदौलिया खाप चौरासी की बैठक में सामाजिक कुरीतियों को दूर करने व भवन के नवीनीकरण करवाने का फैसला लिया गया। कस्बे के जेवली रोड़ स्थित ब्राह्मण भवन में खाप चौरासी के नवनियुक्त अध्यक्ष बजरंग लाल शर्मा पहाड़ी पूर्व डीआईजी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अनेक महत्वपूर्ण फैसलें लिए गए जिनका सभी ने हाथ उठाकर समर्थन किया। बैठक में खाप महामंत्री पूर्व चेयरमैन सुनील शर्मा ने सभी नवचयनित पदाधिकारियों को शभकामनाएं देते हुए संगठन को ग्राम स्तर पर मजबूत करने का आह्वान किया। बैठक में पूर्व अध्यक्ष मास्टर अमरचंद चैहड़, मास्टर रामनाथ व अन्य मौजूद रहे।

खुशियों की दीवार संगठन ने लगाई त्रिवेणी

चरखी दादरी। पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय खुशियों की दीवार संगठन ने पिछले 10 वर्षों से त्रिवेणी लगाने का कार्य निरंतर जारी रखा है। इसी क्रम में कोर्ट परिसर में सूख चुके पौधों और खाली पड़े ट्रीगार्ड स्थलों में त्रिवेणी का रोपण किया, जिससे क्षेत्र में हरियाली को नई जान मिली। अभियान ईएचसी ईश्वर सिंह, तेजपाल, विनोद, रणधीर, मुकेश तथा नरेन्द्र राजपूत की नेतृत्व में चलाया। ईश्वर ने कहा कि संजय रामफल क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं।

बूचड़खाना विरोधी आंदोलन ने पकड़ा जोर

भिवानी। हरियाणा सरकार द्वारा राज्य में बूचड़खाने खोलने के निर्णय के खिलाफ गौभक्तों का आंदोलन लगातार जोर पकड़ रहा है। गौभक्त हरफूल सिंह जाट जुलाणी वाला गौशाला खावा ने शुरू किया आंदोलन अब व्यापक रूप ले चुका है। गौशाला खावा के संचालक और ग्राम स्वराज किसान मोर्चा के संयोजक गौभक्त महेंद्र सिंह गोदारा ने बताया कि आंदोलन की रूपरेखा तैयार करने के लिए गौशाला महासंघ हरियाणा की महत्वपूर्ण बैठक की गई। बैठक में गौशाला महासंघ की कार्यकारिणी ने हरियाणा सरकार के फैसले पर गहन चर्चा की। इस दौरान सभी ने कदम उठाने की अपील की।

एनसीसी कैडेट्स को रैंक वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय, भिवानी में प्राचार्य डॉ. त्रिलोक चंद के निर्देशन एवं ए एन ओ कैप्टन सविता गौड़ की संयोजकता में एन.सी.सी. पुरस्कार एवं रैंक वितरण समारोह का भव्य आयोजन अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह समारोह अनुशासन, सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत-प्रोत रहा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कुलपति, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी प्रो. (डॉ.) दीप्ति धर्माणी रहीं।

मंच पर उनके साथ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. त्रिलोक चंद, ए. न. ओ. कैप्टन डॉ. सविता, विशेष अतिथि डॉ. रिंकू अग्रवाल और डॉ. अनिल तंवर सहित महाविद्यालय के समस्त फैकल्टी सदस्य एवं संपूर्ण कॉलेज स्टाफ उपस्थित रहा, जिनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ा दिया। कार्यक्रम के आरंभ में सभी अतिथियों का अभिवादन व स्वागत किया गया। इसके पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. त्रिलोक चंद एवं ए. न. ओ. कैप्टन. सविता गौड़ द्वारा माननीय कुलपति का बुके एवं सम्मान चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया।

भिवानी। कार्यक्रम में कैडेटस के कंधे पर रैंक लगाते हुए।

बैज लगाकर किया सम्मानित

इसके उपरांत समारोह की औपचारिक शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके बाद सभी विशिष्ट अतिथियों को बैज लगाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शुरुआत राजस्थानी लोक नृत्य से हुई, जिसने मंच पर उत्साह और उल्लास का वातावरण बना दिया। इसके बाद 90's डांस, सेमी-क्लासिकल नृत्य एवं अन्य आकर्षक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। माननीय प्रोफेसर धर्मानी ने अपने संदेश में छात्राओं को समाज के लिए कर्तव्य एवं नई शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत नए डिप्लोमा रिसर्च एवं उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया और अपने आशीर्वचन में नारी शक्ति को आगे बढ़-चढ़कर समाज में स्वच्छता, शिक्षा, राष्ट्र निर्माण में सहयोग करने का संदेश दिया।

युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव डॉ. विकास कुमार बने झज्जर के प्रभारी

भिवानी। हरियाणा प्रदेश युवा कांग्रेस में संगठनात्मक विस्तार को तेजी देते हुए प्रदेश नेतृत्व ने युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अधिवक्ता डा. विकास कुमार को झज्जर जिले का प्रभारी नियुक्त किया है। यह जिम्मेदारी मिलने पर डा. विकास कुमार ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया है और अपनी नई भूमिका को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। अपनी नियुक्ति पर डा. विकास कुमार ने हरियाणा प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रभारी सत्यवान गहलोत और हरियाणा प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष निशित कटारिया का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जो भरोसा उन पर जताया है, उस पर खरा उतरने के लिए वह पूरी मेहनत करेंगे और पार्टी के जनहित के एजेंडे को आगे बढ़ाएंगे।

बचपन की रक्षा के लिए शिक्षक एकजुट

- अध्यापक संघ की राज्य स्तरीय कन्वेंशन में गूंजी शिक्षा बचाओ की आवाज
- समान स्कूल व्यवस्था ही मजबूत लोकतंत्र की नींव : अध्यापक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

आम आदमी को शिक्षा से दूर करने के लिए लगातार स्कूल बंद, मर्ज करना, शिक्षा अधिकार कानून होते हुए भी फीसें लागू करना, अमीर-गरीब के बीच पैसों की खाई के आधार पर आरक्षण के विरोध में अलग-अलग स्कूल खोलना, पद कटौती, खाली पद, पाठ्यक्रम का साम्प्रदायिकीकरण के विरोध में अध्यापक संघ ने राज्य स्तरीय कंवेंशन आयोजित की। कंवेंशन की अध्यक्षता राज्य प्रधान प्रभु सिंह ने की तथा संचालन महासचिव रामपाल ने किया।

भिवानी। आयोजित कैनवेंशन में एकत्रित शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए।

राज्य स्तरीय कंवेंशन

यह जानकारी देते हुए अध्यापक संघ के जिला सचिव सुमेर आर्य ने बताया कि कंवेंशन में राज्य कार्यकारिणी सहित लगभग 200 शिक्षकों ने भाग लिया।

कंवेंशन में अध्यापक आंदोलन का परिप्रेक्ष्य विषय पर पूर्व प्रधान सत्यपाल सिवाच ने शिक्षा के महत्व, इसके सार्वभौमिकरण की जरूरत, समान/कॉमन स्कूलों के देश के लोकतंत्र व भाईचारे को बचाने में महत्व पर विस्तृत चर्चा रखी। उन्होंने कहा कि यदि प्राइवेट स्कूलों की तरह सरकारी स्कूलों में भी तीन चीजें सरकार उपलब्ध करवा दे तो कोई भी बच्चा या अभिभावक प्राइवेट में दाखिला नहीं लेगा, जिसमें सभी कक्षाओं व सभी विषयों के सभी स्कूलों में पद सृजित कर शिक्षक उपलब्ध कराना, सभी तरह की साफ़-सफ़ाई, कमरे, लैब, शौचालय, पानी, बिजली, परिवहन की सुविधाएं उपलब्ध कराना एवं गैर-शैक्षणिक कार्यों को बंद कराना है। एसटीएफआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीएन भारती ने जन सरोकारी मांगपत्र पर विस्तार से चर्चा रखी।

नई दिशा, नई उड़ान के तहत कार्यक्रम का आयोजन

किशोर न्याय अधिनियम, पॉक्सो, बाल श्रम कानून के प्रति किया जागरूक

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला द्वारा प्रारंभ किए गए राज्यव्यापी अभियान नई दिशा, नई उड़ान के अंतर्गत जागरूकता एवं कानूनी सहायता शिविरों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विद्यालय प्राचार्या संतोष भाकर के नेतृत्व में आयोजित हुआ जिसमें लीगल लिट्रेसी क्लब के नॉडल अधिकारी राजेन्द्र कुमार ने अपनी अहम भूमिका अदा की। कार्यक्रम में विद्यालय के अनेक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विद्यालय प्राचार्या संतोष भाकर के नेतृत्व में प्रवक्ता राजेन्द्र कुमार ने विद्यार्थियों को गहनता से बताया और जिनमें किशोर न्याय अधिनियम, पॉक्सो अधिनियम, बाल श्रम कानून तथा साइबर सुरक्षा जैसे विषयों के बारे में गहनता से बताते हुए समझाया कि नई दिशा, नई उड़ान का अर्थ है एक नई दिशा या एक नया उद्देश्य जो व्यक्ति को नई ऊंचाइयों पर ले जाए।

- लीगल लिट्रेसी क्लब के नॉडल अधिकारी राजेन्द्र कुमार ने किया छात्रों का मार्गदर्शन

अध्यापकों को स्मृति चिन्ह और सम्मान-पत्र भेंट किए

लोहारु के चार शिक्षकों को श्रीनगर में मिला ग्लोबल रोल मॉडल अवार्ड, लोगों ने दी बधाई

लोहारू। इंटरनेशनल टीचर-वीक के जम्मू कश्मीर राज्य के श्रीनगर में राह ग्रुप फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में लोहारू के चार अध्यापकों को ग्लोबल रोल मॉडल अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान पाने वाले अध्यापकों में स्वतंत्रता सेनानी चौधरी जगराम राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गिगनाऊ के राजनीति विज्ञान के वरिष्ठ प्रवक्ता श्याम सुंदर सांगवान, राजकीय प्राथमिक पाठशाला कुड़ल के मुख्य शिक्षक कंवरभान दहिया, राजकीय उच्च विद्यालय नूनसर के संस्कृत अध्यापक प्रमोद सिवाच तथा राजकीय उच्च विद्यालय खोरड़ा के गणित अध्यापक मदनलाल श्योरान शामिल रहे। कार्यक्रम में राह ग्रुप फाउंडेशन के चेयरमैन एवं मुख्यतिथि नरेश सेलपाड़ ने सभी प्रतिभाशाली अध्यापकों को स्मृति चिन्ह और सम्मान-पत्र भेंट किए। नरेश सेलपाड़ ने कहा कि अध्यापक किसी शिल्पकार से कम नही है। वह एक विद्यार्थी की प्रतिभा को पहचान उन्हें प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ाने का काम करता है। बता दें कि इस कार्यक्रम में श्यामसुंदर सांगवान को रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण और समाजसेवा में उनके अद्वितीय योगदान के लिए सम्मानित किया। कंवरभान दहिया को पर्यावरण व शिक्षा में नवाचारपूर्ण प्रयासों के लिए विशेष पहचान बनाने का काम किया है।

सांगवान में आयोजित दो दिवसीय राहत चिकित्सा शिविर का हुआ समापन

तोशाम। मेडिकल सर्विस सेंटर द्वारा क्षेत्र के गांव सागवान में आयोजित दो दिवसीय निःशुल्क राहत चिकित्सा शिविर का रविवार को समापन हुआ। शिविर के दौरान पीजीआईएमएस, रोहतक की एमएससी यूनिट की बीस सदस्यीय टीम ने ग्रामवासियों को निशुल्क दवाइयां व चिकित्सा सेवाएं प्रदान की। कैंप के दूसरे दिन रविवार को करीबन 150 मरीजों को चिकित्सीय सलाह और दवाइयां वितरित की गई हैं। मैडिकल सर्विस सेंटर के अखिल भारतीय सचिव मंडल सदस्य और दिल्ली यूनिट के महासचिव व सीनियर डॉक्टर अनिर्बान की देखरेख में चिकित्सा राहत शिविर का संचालन किया गया। उन्होंने बताया कि गांव में लोग चर्म रोग, नाक और गले की बीमारी, जोड़ों का दर्द, दूषित पानी जनित बीमारियों से ग्रसित हैं। ज्ञात हो कि इस दो दिवसीय चिकित्सा कैम्प का आयोजन ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन (एआईकेकेएमएस) की पहल पर किया गया। किसान संगठन ने तोशाम व आसपास के लोगों का आभार प्रकट किया।

गोसेवा अंतरराष्ट्रीय पशु दिवस पर जेसीआई ने की गोवंश की सेवा, लगाई सात सवामणी

पशुओं के प्रति दया एवं सेवा का भाव रखना समाज व लोगों की सामूहिक जिम्मेदारी

गोसेवा के कार्य श्रीसनातन संस्कृति को मजबूती प्रदान कर रहे : विधायक

भिवानी। गोवंश को चारा खिलाते विधायक घनश्यामदास सर्राफ व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

जेसीआई भिवानी स्टार ने अंतरराष्ट्रीय पशु दिवस के उपलक्ष्य में प्रेरणादायक पहल कर नंदी सेवा-गौ सेवा प्रोजेक्ट का सफल आयोजन किया। यह सेवा कार्य रविवार को हालुवास गेट स्थित नंदीशाला में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। जेसीआई ने इस नेक कार्य में परिवार सहित सक्रिय भागीदारी की और गोवंश के प्रति अपनी आस्था एवं सेवा भावना को प्रदर्शित किया।

इस अवसर पर गोवंश के लिए चारे की व्यवस्था की गई, जिसमें दो ट्रॉली हरा चारा, दलिये की सात सवामणी, 15 पेटी गुड़ व 100 किलोग्राम आटा शामिल रहा। इस आयोजन के माध्यम से जेसीआई ने न केवल अंतरराष्ट्रीय पशु दिवस की महत्ता को रेखांकित किया, बल्कि समाज को गोवंश की देखभाल और सेवा के लिए प्रेरित करने का उत्कृष्ट उदाहरण भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान विधायक घनश्यामदास सर्राफ व रामदेव तायल सहित अनेक प्रबुद्ध लोगों व विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा गौसेवा को अत्यंत पुण्यकारी कार्य बताया। उन्होंने कहा कि गौसेवा जैसे कार्यो से हम श्रीसनातन संस्कृति को मजबूती प्रदान कर सकते है, वहीं युवा पीढ़ी को भी समाजसेवा के भाव से जोड़ा जा सकता है। जेसीआई के प्रधान संदीप अग्रवाल ने कहा कि पशुओं के प्रति दया और सेवा का भाव रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मूक प्राणियों की देखभाल करने का संदेश देना था।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में प्रोजेक्ट डायरेक्टर्स में जेसी गोपाल कृष्ण अग्रवाल, जेसी कपिल शर्मा, जेसी राजेश बंसल, जेसी मुकेश जुई वाले, जेसी मुकेश खरकिया एडवोकेट, जेसी मनीष बिंदल व जेसी अखिल गुप्ता, जेसी गोपाल अग्रवाल, आईपीपी जेसी भरत गुप्ता, प्रधान जेएफएम संदीप अग्रवाल, कोषाध्यक्ष जेसी प्रवीण अग्रवाल, जेसीआरटी चेयरपर्सन जेसी कल्पना गोयल और जेजे प्रधान जेजे प्रिंसी बंसल आदि मौजूद रहे।

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा अनाज मंडी में विधायक के भाई राजेश कुमार दौरा कर किसानों व आढ़तियों की समस्याएं सुनते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

किसानों को कोई परेशानी नहीं होने देंगे : राजेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा अनाज मंडी में विधायक कपूर वाल्मीकि के भाई राजेश कुमार ने दौरा किया और किसानों व आढ़तियों का दुख-दर्द जाना। जहां उन्होंने किसानों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और किसान हितैषी सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं व सुविधाओं पर चर्चा की। साथ ही मंडी में आए किसानों की फसल का निरीक्षण कर उनका हाल-चाल जाना। इस अवसर पर मार्केट कमेटी चेयरमैन, वाइस चेयरमैन, मंडी प्रधान, पूर्व प्रधान, उपप्रधान हमारा संकल्प है कि किसानों की हर समस्या का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। वहीं उन्होंने बताया कि किसानों व आढ़तियों को किसी प्रकार की समस्या नहीं आने दी जाएगी।

खबर संक्षेप

हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड का लगा कैंप

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा क्षेत्र के आने वाले गांव बड़सी के राजकीय कन्या उच्च विद्यालय में तीन दिवसीय हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड का प्रवेशिका शिविर लगाया गया। यह शिविर राज्य प्रशिक्षक नरेश कुमार व उसकी सहयोगी टीम ने लगाया इस शिविर में विद्यार्थियों को प्राथमिक चिकित्सा, आत्म रक्षा, ध्वज ज्ञान व ध्वज बाँधने के बारे में अच्छी प्रकार से सिखाया गया। मुख्याध्यापक राजेश कुमार ने विद्यार्थियों को बताया कि स्काउट से आप अच्छे अच्छे बाहर के शिविरों में भाग ले सकते हैं और इससे आपको शिविर प्रतिभागी का प्रमाण पत्र दिया जाएगा जो आपकी शिक्षा में बहुत सहयोगी सिद्ध होगा विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ शिविर में भाग लिया।

कर्मचारियों को जॉब सुरक्षा दे हरियाणा सरकार : लांबा

तोशाम। रविवार को हरियाणा गवर्नमैंट पी. डब्ल्यू डी. मैकेनिकल वर्करज यूनियन रजि. नं. 41 मुख्यालय चरखी दादरी सम्बन्धित हरियाणा संयुक्त कर्मचारी संघ का 58वां स्थापना दिवस बीएंडआर कार्यालय तोशाम प्रागंण में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग शाखा तोशामएंव बीएंडआर शाखा तोशाम के कर्मचारियों ने सयुंक्त रूप से मिलकर बड़ी धूमधाम से मनाया। प्रधान कर्ण सिंह लाम्बा व प्रधान प्रदीप बराला ने अपने सम्बोधन में सभी कर्मचारियों को संगठन के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कर्मचारियों को संगठन के साथ एक सूत्र में रहने की प्रेरणा दी।

डिजिटल एप से होगा समस्याओं का समाधान

चरखी दादरी। उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने कहा कि प्रदेश में ढांचागत विकास को नई गति देने के लिए पारदर्शिता व जनभागीदारी की दिशा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने म्हारी सड़क मोबाइल एप्लीकेशन का लॉन्च की है। इस डिजिटल एप से नागरिक सड़क से संबंधित समस्याएं सीधे सरकार तक पहुंच सकेंगे, ये एप नागरिक, प्रशासन और सर इस एप के माध्यम से नागरिक सड़कों पर गड्ढे, टूटी सड़क या सड़क पर जलभराव की समस्या की लोकेशन के साथ शिकायत दर्ज कर सकेंगे। संबंधित विभाग को तत्काल सूचना मिलते ही सड़क का कार्य किया जाएगा।

विधायक व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने नारियल फोड़कर किया शुभारंभ

36 लाख की लागत से ग्रीन बेल्ट को लगेंगे विकास के पंख, बढ़ेगी हरियाली

विकास नगर व उसके आसपास के रहने वाले लोगों को होगी सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिवानी

विकास नगर व उसके आसपास के इलाकें में रहने वाले लोगों के लिए राहत भरी खबर। अब जल्द ही विकास नगर की ग्रीन बेल्ट हरियाली से लबालब होगी। साथ ही इसकी मरम्मत का कार्य भी होगा। इसी क्रम में रविवार को विधायक घनश्याम सर्राफ व नगरपरिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने नारियल फोड़कर विकास नगर की दोनों ग्रीन बेल्टों की सुधारीकरण के कार्य का शुभारंभ करवाया। इनके सुधारीकरण पर करीब 36 लाख रुपये की लागत आएगी। इन ग्रीन बेल्टों की चार दिवारी के अलावा सफाई व्यवस्था तथा हरियाली बढाने के लिए ज्यादा से ज्यादा छायादार पेड़ लगाए जाने की योजना है।

ग्रीन बेल्टों की चार दिवारी के अलावा सफाई व्यवस्थ पर फोकस

साथ ही ग्रीन बेल्ट के साथ घुमने व सुबह व शाम के वक्त सैर करने वाले लोगों को सहुलियत हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि उक्त ग्रीन बेल्ट की चार दिवारी कई जगहों से जर्जर हो गई थी, हरे पेड़ पौधे गायब भी हो गए। अनेक पेड़ सूख भी चुके है,लेकिन अब इन ग्रीन बेल्टों का जीर्णोद्धार होगा तो शहर की सुंदरता बढ़ेगी और स्वच्छता को भी पंख लग जाएंगे। इस मौके पर पार्षद अंकुर कौशिक, आरपी सिंह, डॉ. आरबी गोयल, शालू जैन, कृष्ण शर्मा आदि मौजूद थे।

भिवानी। नारियल फोड़कर ग्रीन बेल्ट के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ करवाते हुए। फोटो: हरिभूमि

विकास कार्यो के लिए सरकारी खजाने लबालबः सर्राफ

विधायक घनश्याम सर्राफ ने बताया कि सार्वजनिक कार्यों के लिए सरकारी खजाने लबालब है। बशर्ते जनता सार्वजनिक कार्य लेकर आए। उनको ततकाल पूरा करवाया जाएगा। क्योंकि सीएम नायब सिंह सैनी का भिवानी जिले के साथ विशेष लगाव है। वे भिवानी के चहुंमुखी विकास के लिए कृत संकल्प है। अब से पहले भी उन्होंने अनेक भिवानी को सौगात दी है। उन्होंने कहा कि हाल ही में पीएम मोदी व सीएम नायब सिंह सैनी ने जीएसटी में बेहतासा कटौती करके देश व प्रदेश की आर्थिक रूप से सुदृढ करने की तरफ बेहतरीन कदम बढाया है।

सभी ग्रीन बेल्टों का होगा जीर्णोद्धारः भवानी

नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि शहर के पार्कों को जीर्णोद्धार का कार्य अंतिम चरण में है। कुछेक पार्कों का जीर्णोद्धार का कार्य मुक्कमल हो चुका है और बाकी बचे पार्कों का कार्य भी जारी है। उन्होंने बताया कि अब शहर में जितनी भी ग्रीन बेल्ट है। उन सभी का जीर्णोद्धार का कार्य शुरू करवाया गया है। इसी क्रम में आज विकास नगर स्थित दो ग्रीन बेल्ट के जीर्णोद्धार का कार्य विधायक घनश्याम सर्राफ के हाथों नारियल फोड़कर करवाया गया। इस कार्य पर करीब 36 लाख रुपये की लागत आएगी। इस कार्य के पूरे होने पर शहर की सुंदरता को पंख लग जाएंगे। उन्होंने बताया कि शहर की अधिकांश गलियों को पक्का करवाया जा चुका है। जो कुछ गली बची है। उनको भी जल्द ही पक्का करवाया जाएगा।

बवानीखेड़ा। गांव मिलकपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा विजयादशमी कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाते हुए। फोटो: हरिभूमि

कार्यक्रम में दिखी राष्ट्रभक्ति की झलक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने विजयादशमी मनाई

- कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह और गरिमा के साथ किया, समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶बवानीखेड़ा

गांव मिलकपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा विजयादशमी कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ कार्यकर्ता मास्टर रामस्वरूप एवं उपनगर कार्यवाह दिनेश ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारंभ रामचंद्र को पुष्प अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से मयंक जिला विद्यार्थी कार्य प्रमुख, रुद्रनाथ जी नगर विद्यार्थी कार्य प्रमुख, कृष्ण जमालपुर प्रांत सेवा टोली सदस्य आदि रहे।

कार्यक्रम की दी जानकारी

मुख्य वक्ता दिनेश ने अपने संबोधन में कहा कि मिलकपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले छह गांवों के स्वयंसेवकों ने इस अवसर पर एकजुट होकर संघ के आदर्शों और परंपराओं का प्रदर्शन किया है। उन्होंने विजयादशमी को सत्य की असत्य पर विजय का प्रतीक बताते हुए समाज में संगठन, अनुशासन और सेवा भावना को बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों द्वारा योग प्रदर्शन और कला प्रस्तुति का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों और युवाओं ने शारीरिक दक्षता, अनुशासन और भारतीय संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। योगाभ्यास के माध्यम से स्वास्थ्य एवं आत्मबल का संदेश दिया गया, समरसता की झलक दिखाई दी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

बुराइयों के खिलाफ लड़ेंगे लड़ाई

- राजपूत प्रतिनिधि सभा ने समाज सुधार व जागरूकता अभियान चलाने का किया एलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶चरखी दादरी

दादरी-भिवानी हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा के नवनियुक्त जिला प्रधान डॉ. बृजपाल पप्पू ने कहा कि प्रदेशभर में समाज की भलाई के लिए शीघ्र ही एक विशाल सामाजिक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य समाज में फैल रही बुराइयों को दूर करना और लोगों को एकता, शिक्षा एवं भाईचारे के प्रति प्रेरित करना होगा। डॉ. बृजपाल पप्पू गांव सांजरवास में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे।

चरखी दादरी। जिला प्रधान डॉ. बृजपाल पप्पू को सम्मानित करते ग्रामीण।

समाज में भाईचारा ही सबसे बड़ी शक्ति

डॉ. पप्पू कहा कि मतदाताओं के पास वोट की ताकत होती है और दादरी-भिवानी राजपूत प्रतिनिधि सभा के सभी मतदाताओं ने एकजुट होकर विजय प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि वह तमाम उम्र समाज की सेवा में समर्पित रहेंगे। जिला प्रधान ने कहा कि समाज से बढ़कर कोई ताकत नहीं होती, और समाज में भाईचारा ही सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही दादरी-भिवानी के राजपूत समाज के विभिन्न गांवों में जाकर युवाओं को संगठित किया जाएगा तथा शिक्षा क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे।

रामायण में हनुमानजी का प्रसंग सुनाया

- सुंदरकांड प्रत्येक मनुष्य को आत्मविश्वास, साहस एवं सेवा की प्रेरणा देने वाला ग्रंथ : महामंडलेश्वर
- व्यक्ति अपने अंदर की ताकत को पहचाने : साध्वी करुणागिरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिवानी

लिटिल हार्ट्स पब्लिक स्कूल के सभागार में चल रहे संगीतमयी श्रीराम कथा महायज्ञ का आठवां दिन भक्तिमय और प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। कथाव्यास महामंडलेश्वर बालयोगिनी साध्वी करुणागिरी महाराज ने सुन्दर कांड प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, मर्यादा और हनुमानजी के समर्पण, निष्ठा व सेवाभाव को समाज के लिए अनुकरणीय बताया। साध्वी करुणागिरी ने कहा कि सुन्दरकांड केवल हनुमानजी की वीरता की कथा नहीं, बल्कि ये प्रत्येक मनुष्य को आत्मविश्वास, साहस और सेवा की प्रेरणा देने वाला ग्रंथ है।

भिवानी। श्रीराम कथा महायज्ञ के दौरान झांकी प्रस्तुत करते विद्यार्थी।

हनुमान सत्य के प्रमाण

उन्होंने कहा कि हनुमानजी का सम्पूर्ण जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि जब विश्वास व भक्ति एक हो जाएं, तो हर कठिनाई दूर हो जाती है। कथाव्यास ने हनुमानजी के लंका प्रवेश, माता सीता की खोज और अशोक वाटिका में सीता माता को प्रभु श्रीराम का संदेश देने के प्रसंग को अत्यंत भावनात्मक शैली में प्रस्तुत किया। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालु 'जय श्रीराम' और 'पवनसुत हनुमान की जय' के उद्घोषों से भक्ति में सराबोर हो गए। साध्वी करुणागिरी ने कहा कि आज समाज में नकारात्मकता, स्वार्थ और द्वेष बढ़ता जा रहा है, जबकि हनुमानजी की कथा हमें निःस्वार्थ सेवा, समर्पण और विनम्रता का पाठ पढ़ाती है। कार्यक्रम में विद्यालय के नन्हे कलाकारों ने रामदूत हनुमान की झांकी व श्रीराम दरबार की मनमोह झांकी प्रस्तुत की।

रीरामकथा के दौरान ये रहे मौनूद

उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति अपने जीवन में निःस्वार्थ भाव से ईश्वर के प्रति समर्पित होकर कर्म करता है, तब असंभव भी संभव हो जाता है। इस अवसर पर महंत चरणदास महाराज, कथा आयोजक प्रधान त्रिलोकचंद गोयल, रमेश हेतमपुरिया, आनन्द प्रकाश गोयल, संजय गोयल, पवन गोयल, भावना गोयल, सीबीएलयू की कुलपति दीप्ती धर्माणी, सेवानिवृत डीईओ नरेश मेहता, दीपक जोशी, मनमोहन चावला, अमित व सामाजिक कार्यकर्ता अशोक भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

अनिश्चितकालीन धरने के 82वें दिन सरकार के खिलाफ गरजे किसान

लोहारू। करोड़ों रुपयों के बकाया बीमा क्लेम के भुगतान के लिए लोहारू में चल रहे किसानों के अनिश्चितकालीन महापड़ाव के 82वें दिन किसान सरकार के खिलाफ जमकर गरजे। किसानों ने कहा कि जबकि उनकी मांगे पूरी नही हो जाती, उनका धरना जारी रहेगा। धरने की अध्यक्षता सूरत सिंह जुई, सुमेर सिंह गिगनाऊ, आजाद भूंगला और मनफूल ओबरा महिपाल ने की, जबकि मंच संचालन धर्मपाल बारवास व नरेंद्र फरटिया ने किया। मास्टर रामकुमार ढिल्लो ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि किसान पिछले ढाई महीनों से करीब 350 करोड़ रुपये के बकाया कपास बीमा क्लेम बीमा क्लेम राशि के भुगतान के लिए महापड़ाव डालकर बैठे हैं, लेकिन सरकार के कानों पर जूं तक नही रेंग रही। इससे साबित होता है कि सरकार का किसानों के हितों से कोई लेना देना नहीं है। सरकार किसानों की मांग को समय रहते हुए मान लें वरना किसान आगामी 15 अक्टूबर को भिवानी के नेहरू पार्क में सैंकड़ों की संख्या में पहुंचकर जल संसाधन व बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी के कैंप कार्यालय का घेराव करेंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

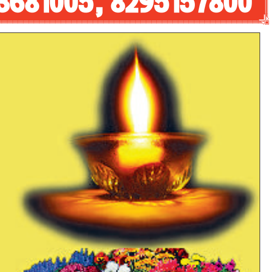

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

नशे से होने वाले दुष्परिणाम बताए

भिवानी। तेरापंथ भवन में अनुविभा द्वारा निर्देशित अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के पांचवें दिन नशामुक्ति दिवस का आयोजन किया। शासनश्री साध्वी तिलकश्री ने कहा कि नशा करने वालों की बुरी दशा हो जाती है। उन्होंने कहा कि शोक के तौर पर शुरु किया गया नशा आदत बन जाता है, यही नशा आदमी का नाश कर देता है।

साध्वीश्री ने आचार्य तुलसी से लेकर वर्तमान आचार्य महाश्रमण तक सभी को अहिंसा यात्रा के माध्यम से नशामुक्ति का संदेश जन जन तक पहुंचाने के लिए कृतज्ञता जताई। सा ध्वी महिमाश्री ने कहा कि नशे ने अनेक घर बर्बाद कर दिए हैं और आज की स्थितियों में नशामुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचना चाहिए। साध्वी निर्णय प्रभा ने गीतिका के माध्यम से नशामुक्ति का महत्व बताया।

गोद भराई कार्यक्रम आयोजित किया, रेसिपी स्पर्धा में काकड़ौली की सुशीला प्रथम रही

बाढड़ा। सीडीपीओ सुनीता सांगवान के दिशानिर्देश में बाढड़ा खंड के काकड़ौली हट्टी में पोषण माह का सफल आयोजन किया गया जिसमें डीपीओ सुनीता देवी व गीता सहारण ने विजेता माताओं व प्रथम रही आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र देकर स मानित किया। गांव काकड़ौली हट्टी में पोषण माह के कार्यक्रम में विभाग की सभी महिला अधिकारी तथा सर्कल की सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। इस अवसर पर लाभार्थियों को आमंत्रित कर गोद भराई कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें गर्भवती महिलाओं को फल एवं स4जियों की टोकरी भेंट की गई। साथ ही एक पेड़ माँ के नाम गतिविधि आयोजित की गई तथा सभी ने मिलकर पोषण शपथ ली। कार्यक्रम के दौरान रेसिपी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें सुशीला काकडोली हट्टी प्रथम, संतरा लाड़ावास द्वितीय, शंकुतला डांडमा तीसरे स्थान पर रही। चार्ट प्रतियोगिता में शीला विकास नगर प्रथम, संतोष कारीदास द्वितीय, अजीत द्वारका तीसरे स्थान राजकीय रही। डीपीओ सुनीता देवी व डीपीओ गीता सहारण ने कहा कि यह आयोजन समुदाय में पोषण जागरूकता को बढ़ाने और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सराहनीय पहल साबित होगी।

पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर ने कसी कमर, 11 को मंत्री श्रुति चौधरी के आवास का करेंगे घेराव

- सरकार की रेशनलाइजेशन नीति कर्मियों व युवाओं के भविष्य के लिए खतरा : सोमबीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिवानी

हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को यूनियन कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता ब्रांच प्रधान मोहित कौशिक ने की, जबकि संचालन सचिव जोगेंद्र मास्टर ने किया। बैठक में यूनियन के जिला व राज्य स्तर के कई पदाधिकारी मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से जिला सचिव सोमबीर पालवास, जिला कोषाध्यक्ष विनोद तंवर और राज्य के सहसचिव संदीप सौरखी शामिल थे।

भिवानी। बैठक को संबोधित करते कर्मचारी नेता। फोटो: हरिभूमि

विभागों में पदों को समाप्त का आरोप लगाया

राज्य सहसचिव संदीप सौरखी और जिला सचिव सोमबीर पालुवास ने कहा कि उक्त नीति के तहत विभागों में पदों को समाप्त किया जा रहा है, जिससे न केवल वर्तमान कर्मचारियों का भविष्य असुरक्षित हो रहा है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थायी रोजगार की संभावनाएं भी समाप्त होती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार रेशनलाइजेशन के नाम पर विभागों को सिकोड़ रही है, जिससे कार्यभार बढ़ रहा है और कर्मचारी मानसिक व आर्थिक दबाव में हैं। यूनियन ने स्पष्ट किया कि वे नीति को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने मांग की कि रेशनलाइजेशन नीति को तुरंत वापस लिया जाए, विभाग को सिकोड़ने की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए, कच्चे कर्मचारियों को स्थायी किया जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को सार्थक रूप देने में लगे हैं अंचल दंपत्ति

जन्म से ही बेटियों को परिवार और समाज में बेटों की तरह सम्मान देना जरूरीः सांसद

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को सार्थक बनाने के लिए चलाई जा रहीं योजनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिवानी

भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने कहा कि बेटियों को जन्म से ही बेटों की तरह परिवार और समाज में बराबर स्थान और सम्मान देना जरूरी है। भिवानी में अंचल नर्सिंग होम के संचालक अंचल दंपत्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 22 जनवरी 2015 को पानीपत से शुरू किए गए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को सार्थक रूप प्रदान कर रहे हैं। यह बहुत ही अच्छी बात है कि अंचल दंपति मरीजों का उपचार करने के साथ-साथ यहां जन्म लेने वाली बेटियों को समाज में सही स्थान देने के लिए प्रेरणादायक कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि घर परिवार में संस्कारों का दूसरा नाम बेटी है और बेटी से घर में रौनक आती है। इस दौरान अंचल नर्सिंग होम के संचालक डॉ विनोद अंचल और डॉ अनीता अंचल ने कहा कि सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह द्वारा अपने हाथों से बेटियों को शगुन दिए जाने से उनका मनोबल बढ़ा है।

भिवानी। अंचल नर्सिग होम में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित सांसद व अन्य।

शगुन के तौर पर भेंट किए गिफ्ट

सांसद धर्मबीर सिंह शनिवार देर शाम दिनोद गेट स्थित अंचल नर्सिंग होम में अनन्या बेटी शगुन योजना के तहत नर्सिंग होम में जन्मी सात बेटियों को अस्पताल की तरफ से 1100 - 1100 रुपए, मिठाई, बेबी ड्रेस और तुलसी का पौधा शगुन के तौर पर भेंट करने के दौरान अपना संदेश दे रहे थे। इस दौरान सांसद ने भी अपनी तरफ से सातों नवजात बेटियों को 1100 - 1100 शगुन के तौर पर भेंट दिए। सांसद ने कहा कि किसी भी देश और समाज की तरक्की में महिलाओं का बहुत बड़ा योगदान होता है। इसी के चलते प्रधानमंत्री मोदी ने हरियाणा की ऐतिहासिक धरती पानीपत से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत की थी।

अभियान के निकलकर आए सार्थक परिणाम

उन्होंने कहा कि इस अभियान के बड़े ही सार्थक परिणाम निकल कर सामने आए। बेटियों में नए जोश का संचार हुआ। लेकिन हमें बेटियों के प्रति सम्मान को बरकरार रखना है, इसके लिए समाज के हर वर्ग में जागरूकता जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज बेटियों ने हर मुकाम हासिल कर लिया है। आज बेटियां किसी भी क्षेत्र में लड़कों से पीछे नहीं हैं। ऐसे में बेटियों को बेटों की तरह ही आगे बढ़ने के लिए समान अवसर देने होंगे। जन्म से ही